ऑफिस मैनेजमेंट और प्रोसिड्योर सीखेंगे

सचिवालय सहायकों को एक और ट्रेनिंग

संवाददाता ■ पटना

सरकारी कार्यालयों को कॉरपोरेट लुक में लाने के लिए बाबुओं को ट्रेनिंग पर ट्रेनिंग दिलायी जा रही है. इसका मकसद कार्य संस्कृति में सुधार तो लाना ही है साथ में कार्य निष्पादन में कैसे तेजी आयेगी, इसके लिए उन्हें ट्रेंड करना है.

500 सहायकों को लेनी है ट्रेनिंग

बात कर रहे हैं सचिवालय सहायकों की कंप्यूटर सक्षमता की. अभी इसका कार्यक्रम ठीक से शुरू भी नहीं हुआ है और अब उनके नयी ट्रेनिंग का फरमान जारी कर दिया गया है.अब जो ट्रेनिंग मिलेगी, वह ऑफिस मैनेजमेंट व प्रोसिड्योर की होगी. जिम्मेवारी बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान यानी बिपार्ड को दी गयी है. सामान्य प्रशासन विभाग ने ट्रेनिंग के लिए 500 सहायकों की सूची तैयार की है, जिन्हें चरणबद्ध ढंग से ट्रेनिंग दी जायेगी.

इन्क्रीमेंट व प्रोमोशन के लिए जरूरी

सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों की मानें तो सूबे के ढाई लाख ग्रुप सी कर्मी, सचिवालय सहायक व सुपरवाइजरी ग्रेड के अधिकारियों को कंप्यूटर सक्षमता की ट्रेनिंग भारत सरकार की संस्था डोयक के माध्यम से दी जायेगी. ट्रेनिंग जनवरी माह से शुरू होगी. जो बगैर कोर्स किये ही सक्षमता का प्रमाणपत्र लेना चाहते हैं, उनके लिए 27 दिसंबर को सभी जिला मुख्यालयों में परीक्षा होनी है. सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक कंप्यूटर सक्षमता परीक्षा पास नहीं होंगे, तब तक न तो उन्हें सालाना इंक्रीमेंट मिलेगा और ना ही प्रोमोशन. हालांकि ग्रुप डी कर्मियों के लिए भी कंप्यूटर सक्षमता की परीक्षा पास होना अनिवार्य है. वे भी जब तक पास नहीं होंगे, तब तक उन्हें 1800 का नया ग्रेड पे नहीं मिलेगा.

बिपार्ड को मिली है जिम्मेवारी

पहले चरण में 500 सचिवालय सहायक होंगे शामिल

हर बैच में होंगे 30 सहायक

इधर, सचिवालय सेवा के सहायकों को एक नयी ट्रेनिंग लेने का आदेश दिया गया है. बिपार्ड के माध्यम से 'कार्यालय प्रबंध एवं प्रक्रिया' का प्रशिक्षण लेना है. इसके लिए कर्मचारियों की सूची बनाकर बिपार्ड को भेज दी गयी है. एक बैच में 30 कर्मचारियों को ट्रेनिंग दी जायेगी. बिपार्ड से अनुरोध किया गया है कि ट्रेनिंग कार्यक्रम को निर्धारित करते हुए विभाग को सूचित करें ताकि कर्मचारियों को इसके लिए विरमित किया जा सके.